

द्वारा उसमें थोड़ी बहुत योग्यता प्राप्त कर ली हो, अताई।

सिद्ध-साध्य वि. (तत्.) 1. जो सिद्ध किया जा चुका हो, प्रमाणित 2. जिसे संपादित कर दिया गया हो पुं. एक प्रकार का मंत्र।

सिद्ध-साहित्य पुं. (तत्.) बौद्ध वज्रयानी सिद्धाचार्यों का साहित्य।

सिद्ध-सिंधु पुं. (तत्.) आकाश गंगा।

सिद्धसेन पुं. (तत्.) 1. कार्तिकेय 2. संगीत में कर्नाटकी पद्धति का एक राग।

सिद्ध-स्थाली स्त्री. (तत्.) सिद्ध योगियों की वह बटलोई जिसके विषय में यह माना जाता है कि उसमें से इच्छानुसार अपेक्षित अन्न निकाला जा सकता है।

सिद्धांजन पुं. (तत्.) एक प्रकार का दिव्य अंजन जिसे आँखों में लगाने से दिव्य दृष्टि प्राप्त हो जाती है और ऐसा माना जाता है कि इसे आँखों में लगा लेने से भूमि के नीचे गड़े खजाने भी स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं।

सिद्ध-सेवित पुं. (तत्.) शिव का एक रूप।

सिद्धहस्त वि. (तत्.) 1. जो किसी काम को करने में कुशल अथवा निपुण हो गया हो 2. जिसका हाथ किसी काम में मँजा हो।

सिद्धांती वि. (तत्.) अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहने वाला, सिद्धांतवादी, शास्त्रीय सिद्धांतों का ज्ञाता, सिद्धांतज्ञ पुं. तर्कशास्त्र या न्यायदर्शन का ज्ञाता, तर्कशास्त्री।

सिद्धांतीय वि. (तत्.) सिद्धांत संबंधी, सैद्धांतिक।

सिद्धांबा स्त्री. (तत्.) दुर्गा।

सिद्धाग्नि स्त्री. (तत्.) 1. जलती हुई अग्नि 2. ऐसी पवित्र अग्नि जो दूसरों को भी पवित्र और शुद्ध कर दे 3. किसी सिद्ध/योगी आदि के आश्रम की पवित्र अग्नि/धूनी आदि।

सिद्धा तिथि स्त्री. (तत्.) ज्यो. वार के विशेष संयोग से शुभ मानी जाने वाली तिथि।

सिद्धापिका स्त्री. (तत्.) जैनों की चौबीस देवियों में से एक जो अर्हत्तों का आदेश कार्यान्वित करती हैं।

सिद्धारि वि. (तत्.) एक प्रकार का मंत्र।

सिद्धार्थक पुं. (तत्.) 1. सफेद सरसों 2. एक प्रकार का मरहम वि. 1. अर्थ सिद्ध करने वाला 2. निश्चित अर्थ बताने वाला।

सिद्धार्था स्त्री. (तत्.) 1. जैनों के चौथे अर्हत् की माता का नाम 2. सफेद सरसों।

सिद्धासन पुं. (तत्.) हठयोग के चौरासी आसनों में से एक आसन।

सिद्धि स्त्री. (तत्.) 1. किसी काम के होने की अवस्था या भाव 2. कार्यफल की प्राप्ति, सफलता 3. साधना की पूर्ति 4. उद्देश्य की उपलब्धि या पूर्ति 5. योग-साधना, तांत्रिक साधना आदि से साधन को प्राप्त होने वाली दिव्य शक्ति 6. सत्यता, शुद्धता, विशुद्धता 7. मोक्ष, मुक्ति।

सिद्धदोष वि. (तत्.) जिसका अपराध सिद्ध/प्रमाणित हो गया हो।

सिद्धांगना स्त्री. (तत्.) 'सिद्ध' नामक देव जाति के पुरुष की पत्नी।

सिद्धांत पुं. (तत्.) 1. किसी विषय में तर्क-वितर्क, विचार-विमर्श आदि से सिद्ध या प्रमाणित विचार, उसूल 2. किसी विषय से संबंधित वह अंतिम निर्णय या निश्चय जो पूर्ण रूप से सिद्ध अथवा प्रमाणित हो चुका हो और जिसमें किसी प्रकार के परिवर्तन के लिए अवकाश न रह गया हो 3. वादी-प्रतिवादी द्वारा निर्णीत अर्थ 4. कला, विज्ञान, शास्त्र आदि के संबंध में ऐसी कोई मूल बात या मत जो किसी विद्वान द्वारा प्रतिपादित या स्थापित हो और जिसे अधिकांश लोग ठीक मानते हैं, उपपत्ति 5. धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक आदि क्षेत्रों में वे सुविचारित तत्व जिनका प्रचलन किसी विशिष्ट वर्ग में प्रायः सर्वमान्य होता है, मत 6. एक निश्चित संकल्पना से संबंधित नियम और उसके